Result Mitra Daily Magazine

IUCN की नई रिपोर्ट

हालिया सन्दर्भ -

- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने लाल सूची की स्थापना के 60 वर्ष में अपने नवीनतम लाल सूची (Red list) जारी की।
- सूची में कुल 1,63,040 प्रजातियां शामिल है, जो पिछले वर्ष से 6000 ज्यादा है।
- IUCN के मुताबिक इनमें से लगभग 45000 से अधिक प्रजातियां विलुप्त होने के खतरे में शामिल है जो पिछले वर्ष से 1000 ज्यादा है।
- यह रिपोर्ट प्रजातियों के विलुप्त होने के संभावित कारणों में जलवायु परिवर्तन, बुनियादी ढांचे का विस्तार, अवैध व्यापार, आक्रामक प्रजातियों का अतिक्रमण एवं मानवीय गतिविधि आदि को शामिल करती है।
- यह रिपोर्ट विलुप्त होने के खतरे में शामिल जानवरों एवं पौधे के बारे में चेतावनी देती है तो साथ ही इवेरियन लिंक्स (Iberian Lynx) के संरक्षण को भी उजागर करती है।
- रिपोर्ट के अनुसार, अटाकामा रेगिस्तान के स्थानिक कोपियापोआ कैक्टस, बोर्नियन हाथी एवं ग्रैन कैनरिया विशाल छिपकली के विलुप्त होने के खतरे में हैं।

विलुप्त में सोशल मीडिया का प्रभाव -

- कोपियापोआ कैक्टस का इस्तेमाल पौधे के रूप में किया जाता रहा है, जिसके कारण इसके अवैध व्यापार को बढ़ावा मिला है।
- सोशल मीडिया की मदद से व्यापारी द्वारा इस कैक्टस को प्रदर्शित किया जाता है और बेचा जाता है जिससे इस प्रजाति के 82 % भाग पर विलुप्त का खतरा मंडरा रहा है।
- सजावटी गुण के कारण इसकी मांग यूरोप एवं एशिया में काफी ज्यादा है।
- रिपोर्ट के अनुसार अटाकामा क्षेत्र में सुविधाओं के विकास ने शिकारियों एवं अवैध व्यापारियों को इस क्षेत्र में पहुंचने में मदद की है।

बोर्नियन हाथी -

Result Mitra

- IUCN की इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि बोर्नियो में एशियाई हाथियों की संख्या 1000 से भी कम है।
- पिछले 75 वर्षों में बोर्नियो में हुए व्यापक जंगल कटाई ने इस प्रजाति को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है।
- IUCN के अनुसार मानवों के साथ संघर्ष, प्राकृतिक आवसों की कमी, कृषि का विस्तार, अवैध शिकार, कृषि रासायनों से मौत एवं वाहन दुर्घटना इसके संख्या में गिरावट के अन्य कारण हैं।

कैनरिया छिपकली -

- कैनरी द्वीप और इबीसा में पाए जाने वाले विशाल छिपकली और स्किंक की संख्या में भी आश्चर्यजनक गिरावट देखने को मिली है, जिसका प्रमुख कारण वहाँ पाए जाने वाले आक्रामक सांपों द्वारा इनका शिकार है।

सबसे बड़ी रिकवरी -

- संरक्षण प्रयासों ने इबेरियन लिंक्स की आबादी को पुनर्जीवित किया है।
- 2001 में इसकी आबादी (वयस्क) 62 थी, जो 2022 में 648 और वर्तमान में 2000 से ज्यादा हो गई है।
- कभी दुनिया की सबसे लुप्तप्राय जंगली बिल्ली में शामिल प्रजातियों में से एक, इबेरियन लिंक्स की आबादी 1985-2001 के बीच 87% घटी, जबकि मादाओं की संख्या में 90% तक की गिरावट दर्ज की गई।
- प्राकृतिक भूमध्यसागरीय झाड़ी में इसके वन-आवास एवं खरगोशों (इसके शिकार) की संख्या में वृद्धि कर इसे पुनर्जीवित किया गया।IUCN के अनुसार 2010 से अब तक 400 इबेरियन लिंक्स को पुर्तगाल और स्पेन के क्षेत्र में पुनः प्रवासित किया जा चुका है।

IUCN

- यह विभिन्न देशों के सरकारों एवं सामान्य नागरिकों से मिलकर बना एक संगठन है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1948 में हुई।
- इसका मुख्यालय ग्लांड, स्विट्ज़रलैंड में है।
- इसका उद्देश्य प्राकृतिक स्थिति को संरक्षित रखना है।
- यह संस्था रेड लिस्ट जारी करती है, जिसमें पौधों एवं जानवरों की प्रजातियों की वैश्विक संरक्षण की स्थिति को विश्लेषित किया जाता है।

रेड लिस्ट की विभिन्न श्रेणीयाँ -

Result Mitra

1. विलुप्त - कोई ज्ञात प्रजाति शेष नहीं बचा है।
2. जंगल में विलुप्त - ऐसी प्रजातियां जंगल से विलुप्त हो गई है, लेकिन चिड़ियाघर, बोटेनिकल गार्डन या रिसर्च सेंटर में बचा हुआ है।
3. गंभीर रूप से संकटग्रस्त - ऐसी प्रजातियों की संख्या बहुत कम है और अगले तीन पीढ़ियों में इसकी संख्या 80% तक कम हो जाएगी।
4. लुप्तप्राय - जंगल में विलुप्त होने का उच्च जोखिम वाली प्रजातियां
5. सुमेध - जंगल में ऐसी प्रजातियों को उच्च जोखिम है।
6. निकट संकटग्रस्त - निकट भविष्य में संकटग्रस्त होने की संभावना
7. कम चिंतनीय - ऐसी प्रजातियों को कम खतरा है।
8. डेटा की कमी - ऐसे प्रजातियों के खतरे का विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं हैं।
9. मूल्यांकन नहीं - ऐसी प्रजातियों का खतरे के सम्बन्ध में मूल्यांलन नहीं किया गया है।

अटाकामा रेगिस्तान -

- दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित
- मुख्यतः चिली में विस्तार, लेकिन बोलिविया, अर्जेंटीना एवं पेरू तक विस्तारित
- 1600 km लम्बा और 180 km चौड़ाई में विस्तृत
- दुनिया का सबसे शुष्क गर्म रेगिस्तान
- नाइट्रेट के भंडार के लिए प्रसिद्ध

Result Mitra